# रवींद्रनाथ का सांस्कृतिक परिदृश्य पर व्यापक प्रभाव

**नई दिल्ली (एसएनबी)।** रवींद्रनाथ ठाकुर की जयंती पर मंगलवार को साहित्य अकादमी की ओर से रवींद्रनाथ ठाकुर : प्रकृति, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण विषय पर साहित्य मंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात अंग्रेजी लेखिका मालाश्री लाल ने की। प्रयाग शुक्ल (हिंदी) और अजय कुमार मिश्र (संस्कृत) व शहजाद अंजुम (उर्दू) ने वक्तव्य प्रस्तुत किए।

**■ प्रकृति के बेहद निकट रहीं उनकी कविताओं ने उन्हें विश्वव्यापी पहचान दिलाई : के श्रीनिवास**

अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि रवींद्रनाथ ठाकुर का बीसवीं शताब्दी के सांस्कृतिक परिदृश्य पर व्यापक प्रभाव है। प्रकृति के बेहद निकट रहीं उनकी कविताओं ने उन्हें विश्वव्यापी पहचान दिलाई। प्रयाग शुक्ल ने कहा कि रवींद्रनाथ ठाकुर ने प्रकृति के बहाने पूरी परम सत्ता को विश्लेषित किया है। अजय कुमार मिश्र ने कहा कि रवींद्रनाथ ठाकुर स्वच्छंदतावाद को भारतीय संदर्भ में प्रस्तुत करते हैं और मानव के साथ प्रकृति के बहुआयामी संबंधों को चित्रित करते हैं। प्रख्यात उर्दू लेखक शहजाद अंजुम ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया में रवींद्रनाथ ठाकुर की तेरह पुस्तकों के उर्दू अनुवाद के दौरान हुए अनुभवों के आधार पर कहा कि प्रकृति के साथ रहते ही उन्होंने अपने लेखन को अंजाम दिया और उसके प्रभाव उनके लेखन में स्पष्ट दिखाई देते हैं। मालाश्री लाल ने कहा कि रवींद्रनाथ ठाकुर प्रकृति के संबंध में आज भी प्रासंगिक हैं।